01

DAINIK BHASKAR

28.08.2022

INDORE

दैनिक भास्कर इंदौर 28-08-2022

संडे सिटी इंदौर

रविवार
28.08.2022
dainikbhaskar.com

17 किलोमीटर का प्रायोरिटी कॉरिडोर | टर्निंग पॉइंट पर भी नहीं बदलेगा मेट्रो ट्रैक का अलाइनमेंट, 24 स्पॉट पर पोर्टल से देंगे सपोर्ट

पहला चरण • गांधी नगर से लवकुश चौराहा, आईएसबीटी, बापट, विजय नगर से रेडिसन, रोबोट चौराहे तक का काम चल रहा, 600 पियर लगाए जा रहे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक 17 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर कई स्पॉट ऐसे हैं, जहां एक पियर्स के सहारे मेट्रो ट्रेन को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता, इसलिए ऐसे स्पॉट पर पोर्टल बनाए जा रहे हैं। आईएसबीटी से बापट चौराहा तक करीब 24 पोर्टल बनाए जाएंगे। इससे अलाइनमेंट नहीं बदलना होगा। फिलहाल एक लाइन में पियर्स के सहारे सेगमेंट लॉन्चिंग की जा रही है। उसी पर ट्रैक बिछाया जाएगा। रूट पर ऐसे कई टर्निंग पॉइंट हैं, जहां एक पियर्स के सहारे ट्रेन को आगे ले जाना संभव नहीं है। इसलिए उन टर्निंग पॉइंट्स पर दोनों साइड पियर्स बनाकर सपोर्ट तैयार किया जा रहा है। ऐसे पॉइंट्स सबसे ज्यादा आईएसबीटी से बापट चौराहे तक आ रहे हैं, इसलिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन यहां पोर्टल बनवा रहा है।

TCS चौराहे के सामने स्टेशन का काम शुरू

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत गांधीनगर से लवकुश चौराहे तक काम तेजी से चल रहा है। यहां दो स्पान लॉन्च हो चुके हैं। अब तीसरे की तैयारी की जा रही है। 17 किमी के इस रूट पर कुल 16 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। टीसीएस चौराहे पर भी स्टेशन के काम ने रफ्तार पकड़ ली है। वहीं आईएसबीटी स्टेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। एक स्टेशन की लागत 58 करोड़ है।

अंडरग्राउंड में लागत तीन गुना, एलिवेटेड विकल्प पर विचार

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का एक हिस्सा अंडरग्राउंड बनाया जाना है। अधिकारियों का कहना है कि अगर अंडरग्राउंड का विकल्प चुनते हैं तो लागत तीन गुना हो जाएगी और लंबे समय तक गड्ढे खुदे पड़े रहेंगे। इसलिए इसे एलिवेटेड बनाने की फाइल एक बार फिर आगे बढ़ाई है। मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण के तहत 31.55 किमी का हिस्सा बनाया जाना है। गांधी नगर से रोबोट चौराहे तक 17 किमी में काम तेजी से चल रहा है। मूल प्रस्ताव में बाकी हिस्सा अंडरग्राउंड बनना है। फिलहाल मेट्रो के एलिवेटेड कॉरिडोर पर एक स्टेशन 58 करोड़ रुपए में बन रहा है, जबकि अंडरग्राउंड कॉरिडोर में एक स्टेशन की लागत बढ़कर 160 करोड़ हो जाएगी।

एक फायदा यह... एमजी रोड पर नहीं करना पड़ेगी तोड़फोड़

एमजी रोड पर मेट्रो ऊपर से ले जाई जा सकेगी, तोड़फोड़ नहीं होगी। मूल प्रस्ताव में यह अंडरग्राउंड है, इसमें बदलाव के लिए फाइल भोपाल भेजी है। पहले चरण में गांधी नगर से लवकुश, आईएसबीटी, बापट, विजय नगर से रेडिसन, रोबोट चौराहे तक का काम चल रहा है। इसमें 600 पियर लगाए जा रहे हैं। सुपर कॉरिडोर पर तीसरे सेगमेंट लॉन्चिंग का काम चल रहा है। इसकी लागत 1400 करोड़ है और 17 स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

प्रोजेक्ट में पीछे... समय सीमा दो साल आगे बढ़ चुकी है

14 सितंबर 2019 में शुरू हुए 31.55 किमी के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समय सीमा 2023 तय की गई थी, लेकिन काम शुरू नहीं हो पाने के कारण अब इसे 2025 तक बढ़ा दिया है। हालांकि, प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मूल प्रस्ताव में एमजी रोड पर मेट्रो का रीगल चौराहे से शास्त्री ब्रिज तक एलिवेटेड रूट रखा गया है, लेकिन जिला कोर्ट के सामने यह अंडरग्राउंड हो जाएगी।

31.55 किमी कुल ट्रैक

24 किमी में एलिवेटेड ट्रैक

7.48 किमी का अंडरग्राउंड ट्रैक

29 जगह बनेंगे मेट्रो स्टेशन

7.5 हजार करोड़ रुपए लागत

02

AGNIBAAN

31.08.2022

INDORE

सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो...

विगत कई वर्षों से शहरवासी मेट्रो का इंतजार कर रहे थे। इंतजार की घड़ियां अब समाप्त होती नजर आ रही है। मेट्रो प्रोजेक्ट अब आकार लेने लगा है। सुपर कारिडोर पर 24 घंटे मेट्रो का कार्य चल रहा है। आने वाले कुछ दिनों में शहर को मेट्रो की सौगात मिलने वाली है।